प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

पंतनगर विश्वविद्यालय में देश का 72वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

पंतनगर। 27 जनवरी 2021। पंतनगर विश्वविद्यालय में देश का 72वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति, डा. तेज प्रताप, ने प्रातः 9:30 बजे गांधी मैदान में तिरंगा फहराया तथा उपस्थित शिक्षाकों, वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों को देश की एकता व बंधुता को बनाये रखने का संकल्प दिलाया। उन्होंने असंख्य शहीदों एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को याद किया जिनके बलिदानों की नींव पर भारत स्वतंत्र रूप से खड़ा है।

इस अवसर पर अपने सम्बोधन में डा. प्रताप ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों एवं प्रगति के बारे में अवगत कराते हुए बताया कि वर्ष 2020 में हम कोरोना काल के ऐसे दौर से गुजरे जिसने हमें नई तकनीक, नई सोच और भविष्य में नया करने की प्रेरणा दी और विश्वविद्यालय वह सीख पाया जिसकी भविष्य में कल्पना की गयी थी। उन्होंने बताया कि कोरोना काल के दौरान विश्वविद्यालय ने देश की सेवा हेतु अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया साथ ही साथ उन्होंने कोरोना काल के दौरान अपनी सेवायें देने वाले कर्मचारियों के जज़्बे को सलाम किया तथा इस दौरान वीरगति को प्राप्त हुए कोरोना योद्धा के आत्मा की शांति हेतु मौन धारण किया। डा. प्रताप ने कहा कि हम सभी के लिए कोरोना काल एक परीक्षा थी जिसमें हमने अपनी जिम्मेदारियों को समझा तथा अपनी कमियों और हालात को भी जाना। उन्होंने कहा कि इस दौर के उपरान्त समाज को सशक्त, वातावरण के प्रति सवेंदना एवं सामाजिक परिवर्तन की जरूरत है। डा. प्रताप ने कहा कि हमें उपेक्षाओं को दर किनार कर स्वयं के बारे में नहीं बल्कि समाज के बारे में सोचने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हमे सितारा बनकर चमकने की जगह एक दीपक बनकर अपने आस-पास के अंधकार को दूर करने की आवश्यकता है। डा. प्रताप ने उम्मीद जताई की विश्वविद्यालय जल्द ही पुनः की तरह गतिशील होगा। उन्होंने विश्वविद्यालय के प्राध्यपकों की प्रशंसा करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में शिक्षण ऑनलाइन एवं नई तकनीक से हो रहे है जिसके लिए महाविद्यालयों में स्मार्ट क्लास भी बनाये जा चुके हैं। डा. प्रताप ने विश्वविद्यालय में संचालित नाहेप परियोजना के बारे में बताते हुए कहा कि आई.डी.पी.-नाहेप ने प्रशिक्षण, व्याख्यान, गोष्ठी एवं संगोष्ठी के माध्यम से विश्वविद्यालय के शिक्षण, शोध एवं प्रसार को त्वरित गति एवं नये आयाम दिये। डा. प्रताप ने बताया कि नई शिक्षा निति के अनुरूप शिक्षण में ऑफलाइन एवं ऑनलाइन माध्यमों का समावेश किया जायेगा। उन्होंने बताया कि भविष्य में विश्वविद्यालय में एकाधिक प्रवेश और निकास प्रणाली भी लागू की जायेगी। डा. प्रताप ने आह्वाहन किया कि विश्वविद्यालय के सभी कर्मी देश के हित के लिए अपना योगदान दें और देश को आगे बढ़ाने में सहयोग करें।

डा. प्रताप ने अन्य सभी इकाइयों द्वारा भी सराहनीय कार्य करने के लिए बधाई दी एवं भविष्य में भी सार्थक सहयोग की अपेक्षा की। 'जय हिन्द' के तीन बार उद्घोष, जिसे उपस्थित जनों ने दोहराया, के साथ कुलपति ने अपने उद्बोधन का समापन किया।

पंतनगर विश्वविद्यालय में गणतंत्र दिवस पर विद्यार्थियों, शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं अन्य को सम्बोधित करते कुलपति, डा. तेज प्रताप।